स्टार में शान... रिपोर्ट में जान...
स्टार रिपोर्ट
STAR REPORT
RNI. No. MAHMIN/2008/25059
Volume: 12, Issue :07, Mumbai. June 2019, Page: 36, Price: 100/-

Any problems..? Just Ask TellaTina

Chanda Surana

जिंदगी का दूसरा नाम "प्रॉब्लम" है। जीवन में किसको प्रॉब्लम नहीं है? हम सब देखते हैं कि हर तीसरे व्यक्ति को कोई ना कोई प्रॉब्लम है लेकिन हर प्रॉब्लम यानी की समस्या का समाधान भी है। एक पल के लिए हम अगर सौ साल पीछे चले भी जाएं और उस समय के जीवन और व्यवस्था के बारे में सोचें तो हम सबको पता चलता है कि कितना कठिन था उस पल का जीवन निर्वाह! जीवन निर्वाह की चीजों के लिए एक गांव से दूसरे गांव पैदल जाना पड़ता था, अगर पानी चाहिए तो घर की महिलाएं सर पर मटके उठाकर दूरदराज तक पानी भरने के लिए जाती थी। यह बात अभी कुछ समय पहले ही नेशनल अवॉर्ड विनर गुजराती फिल्म " हेल्लारा " में दर्शाइ भी गयी है कि कितनी विकट परिस्थिति में जीवन निर्वाह किया जाता था। आज का जीवन स्तर देखिए हम कहां से कहां पहुंच गए! घर के अंदर ही पानी की सुविधा है, एक फोन करो जीवन की जरूरत से संबंधित सारे सामान घर पर आ जाते हैं। बटन ऑन करो गैस चालू हो जाता है, मिक्सचर चालू हो जाता है, इतना ही नहीं कुछ भी समस्या हुई उसकी सुविधा अब तुरंत मिलने लगी है। स्टार रिपोर्ट मैगजीन के माध्यम से हम एक सशक्त नारी शक्ति से रूबरू होंगे जिन्होंने अपने नाजुक दिमाग में जो आविष्कार किया है वह आविष्कार सिर्फ हमें आपको या उनके खुद के लिए नहीं बल्कि हजारों लोगों को एक दूसरे से जोड़ने वाला है। जिसकी पहुंच विश्व में बहुत तेजी से हो रही है। शायद, आप समझे नहीं, मैं आपको क्या बताना चाहती हूं दरअसल, यह एक एप्स है जिसके माध्यम से हम हजारों किलोमीटर दूर बैठकर भी किसी भी व्यक्ति की पलक झपकते ही मदद कर सकते हैं यह उस एप्स टेल ए टीना की खासीयत है! यही वजह भी है कि उनके इस एप्स को सोशल नेटवर्किंग के क्षेत्र में भरपूर सफलता भी मिल रही है। अब हम रूबरू होंगे टेल ए टीना एप्स की जनक चंदा सुराणा से, जिनके दिमाग में इस खूबसूरत एप्स ने जन्म लिया और इस आविष्कार के बाद उसकी अपार सफलता से ऐसा लग रहा है कि जैसे विश्व को मुट्ठी में बांधने वाला एक सशक्त बालक का जन्म हुआ है। यह किसी चमत्कार से कम नहीं। एक सशक्त नारी के रूप में कहो या एक ऐसा दिल जो हर वक्त किसी जरूरतमंद की मदद के लिए तैयार रहता है ऐसे भावनात्मक दिल की मेहमान है भारतीय सिनेमा जगत का जाना पहचाना नाम राजश्री प्रोडक्शन की बेटी और जाने-माने फिल्म डायरेक्टर सूरज बड़जात्या जी की छोटी बहन चंदा बड़जात्या सुराणा। उनके साथ हुई मुलाकात के दौरान जब उनके नाम के बारे में पूछा गया

तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा भाई सूरज है तो बहन चंदा ही होगी ना। इस बात पर मुझे भी फिल्म आराधना का खूबसूरत गाना याद आया चंदा है तू सूरज है तू.. हर दिल अजीज की आंखों का तारा है तू... खैर अब हम चंदा बड़जात्या सुराणा जी से उनके जीवन से परिचित होंगे और साथ ही साथ उनके द्वारा शुरू की गई एप्स टेल ए टीना के बारे में विस्तृत परिचित होंगे। चंदा सुराणा जी का परिवार एक पारंपरिक मारवाड़ी घराना कहलाता है। संयुक्त परिवार में परदादा ,बड़े ताऊ जी -ताई जी, चाचा- चाची और बहुत सारे भाई बहनों के साथ बड़ा पूरा परिवार आज भी साथ में रहता है। पारंपरिक हिंदू संस्कृति और रीति रिवाज से बनती हुई राजश्री प्रोडक्शन की फिल्मों की तरह चंदा जी का विवाह भी 20 साल की उम्र में बड़जात्या परिवार के परम मित्र सुराणा परिवार में हुआ। सुराणा परिवार का परिचय देते हुए उन्होंने कहा कि भारत में ही नहीं विश्व में सुराना ज्वेलर्स की ज्वेलरी प्रसिद्ध हैं जो पिछले 300 सालों से जवेलरी की दुनिया में पुराना नाम है। जडाऊ गहनो के लिए विश्व प्रसिद्ध है और करीब 300 साल पहले जयपुर के महाराजा जय सिंह ने उनके पूर्वजों को जड़ाऊ के गहने के लिए जयपुर आमंत्रित किया था तबसे सुराणा परिवार दिल्ली से जयपुर में आकर बस गया। जडाऊ के गहनों के लिए जो महारत इन्होंने हासिल की है, जो कलाकारी की है वह केवल सुराना ज्वेलर्स और परिवार के पास ही है। चंदा सुराणा जी का परिवार अमेरिका में ही पला बढ़ा है। चंदा जी शादी करके अमेरिका चली गई थी वहां पर भी संयुक्त परिवार में रही और चौदह साल के बाद सास ससुर की दिल की तमन्ना थी बाकी का जीवन हिंदुस्तान में जाकर बिताया जाए उनके लिए चंदा जी भी अपने परिवार के साथ मुंबई आ गई।

उनके सास ससुर जयपुर में रहे और चंदा जी मुंबई में अपने दो बेटे और पति के साथ सुराना ज्वेलर्स और ज्वेलरी उद्योग जो पहले से वह जुड़ी हुई है वहीं उन्होंने आगे अपना काम शुरू किया।

चंदा सुराणा जी से जब उनके ब्रेन चाइल्ड यानी कि "टेलाटीना" के बारे में पूछा गया तो वह मुस्कुराती हुए बताती है कि इसकी कहानी थोड़ी लंबी है! उन्होंने कहा कि अमेरिका से मुंबई आई तब बच्चे छोटे थे इसलिए उनके ससुर जी ने घर में ही ऑफिस खोली थी वहां से ही चंदा जी सुराणा ज्वेलर्स के रिटेलिंग और डिजाइनिंग को संभालती थी लेकिन चंदा जी को लग रहा था कि उनकी सृजनशीलता कुछ और करना चाह रही है। दरअसल, उनके मन मस्तिक में कुछ और ख्याल बुन रही थी। मन ही मन व सोच रही थी कि कुछ ऐसा किया जाए जो समाज को जोड़ें समाज में हम किसी की मदद कर सकें। वह अपनी बात आगे बताते हुए कहती है कि बच्चे भी बड़े हो गए थे और अब लग रहा था कुछ नया आविष्कार किया जाए जिसके लिए अब पुख्ता समय भी मिल रहा है। माता जी का नाम सुधा था उनके नाम से ही 'सुधा सुगंध' नाम के NGO की शुरुआत की। इस एनजीओ के माध्यम से महिलाओं द्वारा बनाए गए आहार का मार्केटिंग प्रारंभ किया और उससे होने वाले मुनाफे को महिलाओं के विकास के लिए वह खर्च करती थी। मुंबई में सुधा सुगंध की कई प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसमें बहुत ही सफलता मिली अब जब सफलता मिलने लगी तो चंदा जी का आत्मविश्वास भी बढ़ने लगा। बड़जात्या परिवार से विरासत में मिले धार्मिक संस्कार और सबका आदर की भावना को निरंतर करते हुए उन्होंने सत्संग के कार्यक्रम भी विकसित किए धीरे धीरे अनेक ग्रुप बनने लगे जिसमें आध्यात्मिक चर्चाएं होती थी। जीवन में सकारात्मक सोच के कई मैसेज भी आते थे लेकिन उनसे किसी की मदद नहीं की जा सकती किसी की मदद के लिए एक जरिया चाहिए जो लोगों तक पहुंच सके, जिन्हें मदद की आवश्यक्ता है, जो इस सोशल नेटवर्किंग के समय संभव था। सोशल मीडिया के जरिए हम बहुत कुछ कर सकते हैं लेकिन यहां अधिकतर लोग बैठकर केवल सुप्रभात या शुभ संध्या भेजते रहते हैं। इसके ठीक विपरीत अगर किसी ग्रुप में यह लिखा जाए कि मुझे डॉक्टर की आवश्यकता है? या मैं मार्केट जाने के लिए अस्वस्थ हूं क्या मुझे कुछ जरूरी सामान मिल सकता है ? ऐसे अनगिनत सवाल जो हमारे जीवन के साथ जुड़े हैं क्या यह संभव होगा कि कोई सरलता से हमें मदद करें ! नहीं ना..... क्योंकि सोशल नेटवर्किंग पर फॉरवर्ड फॉरवर्ड मैसेज खेलना बड़ा आसान है परंतु जरूरत के समय में यही छोटे से मोबाइल से आप किसी की कितनी मदद कर सकते हो यह बहुत ही कठिन है।

बस यहीं से उनके दिमाग में इस कांसेप्ट का उदय हुआ और उन्होंने इसे अपना मकसद बना लिया, जिसे पूरा करने में अब वह जी जान से लगी हुई हैं। इसके लिए उन्होंने सबसे पहले कुछ जान पहचान की महिलाओं को लेकर एक ग्रुप बनाया, लेकिन इस ग्रुप की खास बात यह रही कि केवल जीवन से जुड़े जरूरी सवाल हो तो ही उसका जवाब देना है। इसके अलावा किसी भी प्रकार के मैसेज नहीं करने हैं। शुरुआत के दिनों में तो यह बात थोड़ी अजीब लगी यह कैसा प्रस्ताव है? ग्रुप में जुड़े लोगों को लगा कि थोड़ी बहुत गॉसिप तो जरूर होगी। परंतु धीरे-धीरे जरूरतमंद लोगों के सवाल और उसके जवाब मिलने लगे। कई लोग इसमें जुड़ने लगे तब यह ग्रुप काफी पॉजिटिव फील करने लगा। हम अगर पल भर के लिए भी सोच ले कि अगर हम विदेश से भारत में आए हैं या किसी अनजान शहर से दूसरे शहर में शिफ्ट हुए है तो इस अनजान शहर में हमें हर चीज के लिए भारी मशक्कत करनी पड़ती है। किसी भी जरूरत की चीजें जैसे कि घर की सफाई के लिए सफाई वाला, कार के लिए ड्राइवर या हर कोई छोटी चीज जो हमें ढूंढनी पड़ती है इस समस्या को आसान करने का एक बहुत ही सुंदर आइडिया चंदा जी ने खोज निकाला। उसके बाद तो ग्रुप में से ग्रुप बनने लगे काफी लोग इसमें जुड़ने लगे। परंतु अब यहां समस्या यह थी कि यह सब लोगों को ग्रुप में ऐड करना रिस्पोंस देना यह सारी बातों में पूरा दिन निकलने लगा और तब उनको लगा कि क्यों ना ऐसा किया जाए यह ग्रुप नहीं परंतु एक एप्स बने जिसमें इन सब ग्रुपों को जोड़ कर दिया जाए! बस फिर क्या था ! यह सोच मात्र को उन्होंने साकार करने का फैसला किया। उन्होंने यह बात नेहा वसा और वीणा दिवेटीया के साथ साझा की। फिर सभी ने मिलकर एप्स को बनाने की ठानी। इसके लिए सारे ग्रुप की डिटेल को जमा किया जाने लगा। हालांकि यह इतना आसान नहीं था कई दिनों की मेहनत के बाद यह ऐप्स बनकर तैयार हुआ।

"टेलाटीना" कि सर्जक चंदा सुराणा ने कहा कि इस ऐप्स की खासियत यह है कि कोई भी व्यक्ति इस एप्स के साथ सरलता से नहीं जुड़ सकता है इस एप्स में जुड़ने के लिए प्रत्येक मेंबर का पूरा प्रोफाइल चेक किया जाता है उसके बाद एडमिन मेंबर को आईडी और पासवर्ड दिया जाता है। तब जाकर वह व्यक्ति टेला टीना एप्स में जुड़ता है। टेलाटीना एप्स के एडमिन वीणा दिवेटीया इस एप्स की हर प्रवृत्ति पर नजर रखती हैं और उनको जरा सा भी ऐसा लगता है कि यह मेंबर भरोसेमंद नहीं है तो उसको तुरंत ही डीएक्टिवेट किया जाता है। परन्तु चंदा सुराणा जी बड़े ही आत्मविश्वास से कहती हैं कि टेलाटीना के सभी मेंबर विश्वसनीय है और ग्लोबली है। आप जिस शहर के साथ जुड़ना चाहो उसके संबंध में कोई भी सवाल हो या उस शहर पर केवल एक ही क्लिक करने से आपको वहां की सारी जानकारी जवाब के रूप में तुरंत मिल जाती है। इतना ही नहीं अगर आपको यूरोप घूमने जाना है या लंदन में किसी विस्तार में आप फंस गए हो तो वहां का करीबी कौन होगा, किसे संपर्क कर सकते हैं बस एक ही क्लिक से आपको एप्स के जरिए सवाल का जवाब मिल जाएगा।

साथ ही साथ समस्या का निराकरण भी हो जाएगा। टेलाटीना का एक ही लक्ष्य है हर हाल में एक दूसरे की मदद करना जैसे कि टेलाटीना एप्स की साइट्स में अगर आपको पालतू प्राणी अच्छे लगते हैं तो इसके लिए इस एप्स में पेटर लवर की भी एक साइट बनाई गई है, इसके अलावा टेलाटीना में कुछ डॉक्टर को भी एड किया गया है, जो समय-समय पर हेल्थ टिप्स देते हैं। जरूरत पड़ने पर टेलाटीना के मेंबर को कम फीस लेकर उनका इलाज भी कर देते हैं। इस एप्स में ट्रैवेल, ज्योतिषी, फोटोग्राफी, फूड, आर्ट और कल्चर के साथ-साथ मेट्रोमोनियल जैसी कई साइट को भी जोड़ा गया है, जिसकी जैसी जरूरत उस हिसाब से सवाल-जवाब कर सकते हैं। मेट्रोमोनियल साइट में तो कई लोकप्रिय व्यक्तियों के परिवार अपने बच्चों के साथ जुड़े हुए हैं। इसकी एक और खासियत यह है कि यहां जो कैंडिडेट है, उनके ही ईमेल आईडी संपर्क के लिए जाते हैं।

हम लोग दिन भर देखते हैं कि मोबाइल के मैसेज, फ़ोटो, जोक्स, सुविचार आते रहते हैं।

जिसे हर व्यक्ति इग्नोर करके डिलीट कर देते हैं लेकिन "टेलाटीना" की पीआर और मार्केटिंग की पूरी टीम को बहुत ही गर्व है कि टेलाटीना एक ऐसा एप्स है जिसमें अगर कोई महिला कैंडल मेकिंग का काम करती है, कोई योगा या मेडिटेशन कराता है। या किसी को प्रदर्शनी रखनी है तो वह सारे मेंबर ब्रॉडकास्ट साइट में अपनी माहिती दे सकते हैं, जिसका कोई भी चार्ज नहीं लिया जाता है। एक महिला को इस साइट के माध्यम से करीब साठ हजार का बिजनेस मिलता है। चंदा जी कहती है कि टेलाटीना पर कई बार अति आवश्यक समय पर मेंबर एक दूसरे की मदद करते हैं तो मुझे इस आविष्कार पर बहुत गर्व महसूस होता है।

यह एप्स मेरा ब्रेन चाइल्ड है, जो एक सुपर पावर शक्ति बनकर केवल भारत में ही नहीं विदेश में भी हर जरूरतमंद व्यक्ति की मदद कर रहा है। एक वाक्या साझा करते हुए चंदा जी कहती हैं कि उनके एक अंकल के मित्र लंदन में रहते थे जिनकी काफी उम्र थी उनको अचानक एक दिन दांत में पीड़ा होने लगी, वे घर में अकेले थे तब टेलाटीना के माध्यम से उनका संपर्क हुआ। उनकी समस्या एप्स मे रखी, कुछ मिनटों में दस बारह लोगों का जवाब आना चालू हुआ। डॉक्टर की अपॉइंटमेंट भी मिल गई और उनकी समस्या का समाधान भी हो गया। यह है टेलाटीना की पहचान, जहां हर मेंबर हर किसी के साथ जुड़ा हुआ है। एक महिला जिनके पति का देहांत हो गया था और उनकी बेटी का रिश्ता तय हुआ था लेकिन वह मुंबई शहर में बिल्कुल अनजान थीं। वह किसी को पहचानती नहीं थी यकीन करिये टेलाटीना एप्स के माध्यम से शादी के लिए कैटरिंग, मंडप सजावट, उपहार, शॉपिंग जैसे सारे काम सरलता से हो गये। हर छोटी से छोटी जरूरत को भी टेलाटीना के मेंबर्स ने पूरी करवा दी। शादी बहुत ही शानदार हुई। इस बात को बताते हुए चंदा जी ने कहा कि उस महिला ने टेलाटीना के सभी मेंबर्स का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि आज टेलाटीना की वजह से ही मेरी बेटी की शादी संपन्न हो सकी है। टेलाटीना एप्स का मूल मंत्र है कि आप किसी की भी मदद कीजिए।

आपको भी मदद जरूर मिलेगी। इस एप्स के इसके बारे में और जानकारी देते हुए कहा कि इसमें 18 साल से ऊपर के स्त्री-पुरुष को मेंबर बना सकते हैं, इसकी कई साइट्स है जैसे कि कुड़ी-डूडी इसमें कई मेंबर जो सेफ है, मास्टर सेफ हैं। उसके अलावा फाइनेंस एंड इन्वेस्टमेंट के कई एक्सपर्ट भी है जो मेंबर्स को फाइनेंस के सवालों के जवाब देते हैं, जो IIFL के CEO करण भगत है वह मेंबर्स को उनके सवाल के जवाब देते हैं। कई बार ऐसा भी होता है कि यदि हमें कोई जानकारी चाहिए तो वह आसानी से नहीं मिलती है लेकिन टेलाटीना पर यह आसानी से मिल जाती है।

उन्होंने आगे बात करते हुए कहा कि यदि किसी को पेइंग गेस्ट के लिए घर चाहिए या फिर किसी अन्य व्यवसाय के बारे में कोई जानकारी प्राप्त करनी होते वह सारे जवाब आपको इस एप्स के माध्यम से आसानी से मिल सकते हैं। चंदा सुराणा जी के लिए हम कह सकते हैं कि उनके द्वारा सर्जन की गयी एप्स संकट की घड़ी में जंजीर का काम कर रही है, जो भारत में ही नहीं विश्व के तमाम देशों में फैल चुकी है।

कुछ समय पहले की बात बताते हुए उन्होंने कहा कि न्यूयॉर्क के एक अखबार में उनका इंन्टव्यु प्रकाशित हुआ था जिसमें टेलाटीना एप्स के बारे में बड़ी ही गहनता के साथ प्रकाश डाला गया था कि वह किस तरह से समाज के लिए उपयोगी कार्य कर रही है। इस दरम्यान चंदा जी एप्स के बारे में और ज्यादा जानकारी देते हुए कहा कि एक पल के लिए मान लो कि आप किसी नए शहर में शिफ्ट हो गए हैं और वहां आपको किसी तरह की कोई समस्या होती है तो ऐसे संकट के समय में टेलाटीना आपके लिए मद्दगार साबित हो सकती है, जो आपको असंभव सा नजर आता है। उसे यह आसान कर देता है। अगर आप टेला टीना के मेंबर है या आपके पहचान का कोई व्यक्ति इस एप्स से जुड़ा है तो वह सारी समस्या का हल निकाल ही लेता है। इस एप्स के बारे में चंदा जी ने एक और खास बात बताई। उन्होंने कहा कि इसमें फिल्म हस्तियां, उद्योगपति और कई बड़े महानुभाव भी शामिल हैं, जो इस एप्स के मेंबर है।

परंतु इसकी डिजाइन इस तरह से की गई है कि कोई भी मेंबर एक दूसरे के साथ पर्सनल मैसेज नहीं कर सकता है। इस एप्स के सभी मेंबरों की जानकारी गुप्त रखी गई है। इस बात का विशेष रूप से ध्यान रखा गया है।

टेलाटीना की सफलता और इस मुलाकात को यादगार बनाने के लिए स्टार रिपोर्ट के संपादक हार्दिक हुंडिया जी ने चंदा जी को सुवर्ण पुष्प से सम्मानित किया। नारी शक्ति की मिसाल चंदा सुराणा जी की इस विराट पहल को सम्मानित करते हुए यही कहूंगी कि

चांद तो पूरे आसमान का उजाला है,
जमीन से जुड़कर आसमान को छूना है,
तेरे दो हाथों में "टेलाटीना" पूरा संसार समाया है...। स्टार रिपोर्ट, न्यूज नेटवर्क मुंबई